RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अक्टूबर
03
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

भारत–EFTA मुक्त व्यापार समझौता / India–EFTA Free Trade Agreement

संदर्भ:

भारत और EFTA देशों (आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड) के बीच **लैंडमार्क ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट (TEPA)** 1 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया, जो दोनों पक्षों के बीच **व्यापार और आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर** साबित हो रहा है।

भारत–EFTA मुक्त व्यापार समझौते के मुख्य बिंदु

1. बाजार पहुंच (Market Access):

- EFTA ने गैर-कृषि उत्पादों पर 100% टैरिफ समाप्ति और संसाधित कृषि उत्पादों पर कुछ रियायतों का वादा किया है, जिससे भारत के 99.6% निर्यात को कवर किया जाएगा।
- समझौते का लक्ष्य अगले 15 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) आकर्षित करना और भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करना है।

2. भारत की पेशकश (India's Offer):

- भारत ने EFTA के निर्यात के 95.3% टैरिफ लाइनों में 82.7% कवर प्रदान किया है।
- संवेदनशील क्षेत्रों जैसे फार्मा, खाद्य, डेयरी और सोना की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

3. सेवाएँ और पेशेवर गतिशीलता (Services & Mobility):

- भारत और EFTA ने 100+ उप-क्षेत्रों में बाजार पहुंच प्रदान की है।
- समझौता डिजिटल सेवा, व्यावसायिक उपस्थिति और पेशेवरों के अस्थायी प्रवास की अनुमति देता है।
- पेशों जैसे नर्सिंग और अकाउंटेंसी में आपसी मान्यता समझौते (Mutual Recognition Agreements) लागू होंगे।

4. बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property):

- समझौता TRIPS स्तर के IPR मानकों का पालन करता है।
- भारत की जेनेरिक दवा उद्योग के हितों की रक्षा करता है और सतत विकास को प्रोत्साहित करता है।

5. सतत विकास और कौशल: स्वास्थ्य विज्ञान, नवीकरणीय ऊर्जा और अनुसंधान एवं विकास (R&D) जैसे क्षेत्रों में **तकनीकी सहयोग और व्यावसायिक प्रशिक्षण** को बढ़ावा देता है।

6. क्षेत्रीय लाभ: मशीनरी, रसायन, वस्त्र और संसाधित खाद्य निर्यातकों को कम टैरिफ और EFTA बाजारों तक आसान पहुंच का लाभ मिलेगा।

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) का परिचय

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) एक अंतर-सरकारी संगठन है, जो अपने चार सदस्य देशों – आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड – के बीच मुक्त व्यापार और आर्थिक समेकन को बढ़ावा देता है।

- EFTA यूरोपीय संघ (EU) की तरह कस्टम्स यूनियन नहीं है, इसलिए प्रत्येक सदस्य देश अपने बाहरी शुल्क (External Tariffs) और गैर-EFTA देशों के साथ व्यापार समझौतों को स्वतंत्र रूप से निर्धारित कर सकता है।

इतिहास:

- **स्थापना:** EFTA की स्थापना 1960 में स्टॉकहोम कन्वेंशन के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य उन यूरोपीय देशों के लिए एक वैकल्पिक व्यापार समूह बनाना था, जो तत्कालीन यूरोपीय आर्थिक समुदाय (EEC) में शामिल नहीं होना चाहते थे।
- **प्रारंभिक सदस्य (Outer Seven):** ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्वीडन, स्विट्ज़रलैंड और यूनाइटेड किंगडम।

सदस्यता में परिवर्तन:

- समय के साथ अधिकांश प्रारंभिक सदस्य EU में शामिल हो गए। उदाहरण के लिए, 1970-80 के दशक में **डेनमार्क, यूनाइटेड किंगडम और पुर्तगाल**, और 1995 में **ऑस्ट्रिया, फिनलैंड और स्वीडन**।
- वर्तमान में केवल **नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड** ही मूल संस्थापक सदस्य हैं।

वर्तमान सदस्य:

- EFTA के वर्तमान चार सदस्य: आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्ज़रलैंड।
- ये सभी खुले और प्रतिस्पर्धात्मक अर्थव्यवस्था वाले देश हैं और व्यापार उदारीकरण का समर्थन करते हैं।

विदेशी योगदान (नियमन) अधिनियम / Foreign Contribution (Regulation) Act

संदर्भ:

गृह मंत्रालय (MHA) ने एनजीओ को निर्देश दिया है कि वे अपने फॉरेन कॉन्ट्रिब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट (FCRA), 2010 के नवीनीकरण आवेदन की समय पर प्रक्रिया पूरी करें। मंत्रालय ने कहा है कि आवेदन की समाप्ति से कम से कम **चार महीने पहले** इसे जमा किया जाना चाहिए।

विदेशी योगदान (नियमन) अधिनियम – FCRA:

विदेशी योगदान (नियमन) अधिनियम (FCRA) भारत का कानून है, जो व्यक्तियों, संघों और कंपनियों द्वारा विदेशी योगदान या विदेशी आतिथ्य (Foreign Hospitality) के स्वीकार और उपयोग को नियंत्रित करता है।

- पहली बार इसे **1976** में लागू किया गया और बाद में **2010** में व्यापक संशोधन किया गया।
- यह अधिनियम **गृह मंत्रालय (MHA)** द्वारा प्रबंधित होता है।
- मुख्य उद्देश्य: यह सुनिश्चित करना कि विदेशी फंड भारत के राष्ट्रीय हित, सार्वभौमिकता या सुरक्षा के खिलाफ उपयोग न हों।

FCRA के प्रमुख प्रावधान:

1. पंजीकरण (Registration):

- विदेशी दान प्राप्त करने के लिए, NGO, ट्रस्ट, सेक्शन 8 कंपनियां और अन्य संस्थाएं MHA के साथ पंजीकृत होनी चाहिए।
- पंजीकरण 5 वर्षों के लिए वैध होता है और नियमों का पालन करने पर इसे नवीनीकृत किया जा सकता है।

2. पूर्व अनुमति: नई संस्थाओं या जिनका कोई रिकॉर्ड नहीं है, वे किसी विशेष विदेशी स्रोत से विशिष्ट परियोजना के लिए धन प्राप्त करने हेतु पूर्व अनुमति ले सकती हैं।

3. नामित बैंक खाता (Designated Bank Account):

- विदेशी योगदान केवल एसबीआई, नई दिल्ली के मुख्य शाखा में नामित FCRA बैंक खाते के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- उपयोग के लिए अन्य निर्धारित बैंक में अलग FCRA खाता खोला जा सकता है।

4. उद्देश्य-विशेष उपयोग: विदेशी फंड का उपयोग केवल सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, धार्मिक या सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है।

5. उपयोग पर प्रतिबंध (Restrictions):

- **प्रशासनिक खर्च:** 2020 संशोधन के अनुसार प्रशासनिक खर्च सीमा **50% से घटाकर 20%** कर दी गई।
- **फंड ट्रांसफर:** विदेशी योगदान को किसी अन्य व्यक्ति, संगठन या कंपनी को तब तक स्थानांतरित नहीं किया जा सकता जब तक वे FCRA के अंतर्गत पंजीकृत न हों।
- **सट्टा निवेश:** फंड का उपयोग म्युचुअल फंड या शेयर जैसी सट्टा गतिविधियों में नहीं किया जा सकता।

6. रिपोर्टिंग और अनुपालन:

- प्राप्तकर्ता **वार्षिक रिटर्न Form FC-4** के माध्यम से FCRA पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करें।
- फंड के उपयोग और रिकॉर्ड का रख-रखाव अनिवार्य है।

7. दंड:

- उल्लंघन या फंड के दुरुपयोग पर सरकार किसी संगठन का FCRA पंजीकरण निलंबित या रद्द कर सकती है।
- रद्द होने के बाद, संगठन तीन वर्षों तक पुन: पंजीकरण के योग्य नहीं होगा।

FCRA के प्रमुख संशोधन:

1. FCRA, 2010:

- 1976 अधिनियम की जगह इसे लागू किया गया।
- उद्देश्य: विदेशी फंड के **दुरुपयोग को रोकना और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा**।

2. FCRA (संशोधन) अधिनियम, 2020:

- अधिकारीयों के लिए **आधार अनिवार्य** किया गया।
- प्रशासनिक खर्च सीमा घटाई गई।
- फंड ट्रांसफर पर प्रतिबंध लगाया और नामित बैंक खाता अनिवार्य किया।

3. FCRA (संशोधन) नियम, 2022: रिश्तेदारों से विदेशी रेमिटेंस की सीमा **₹1 लाख से बढ़ाकर ₹10 लाख** की गई, बिना पूर्व सूचना।

प्रभाव और आलोचना:

- FCRA के सख्त नियमों के कारण **हजारों NGO का पंजीकरण रद्द या निलंबित** किया गया।
- आलोचक मानते हैं कि ये संशोधन **सरकार को अत्यधिक और मनमानी शक्ति** देते हैं और NGO की कार्यप्रणाली पर **भारी अनुपालन भार** डालते हैं।
- सरकार का तर्क: ये नियंत्रण **पारदर्शिता बढ़ाने और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा** के लिए आवश्यक हैं।

ADB ने भारत के वित्त वर्ष 26 के विकास अनुमान को घटाकर 6.5% किया / ADB Cuts India's FY26 Growth Forecast to 6.5%

संदर्भ:

एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) ने भारत के लिए **वित्तीय वर्ष 2025-26 की वृद्धि पूर्वानुमान दर को 6.5%** कर दिया है, जो अप्रैल 2025 में अनुमानित 6.7% थी। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुमान भी **6.5%** किया गया है, जो पहले 6.8% था। रिपोर्ट के अनुसार, इस कटौती का कारण भारतीय निर्यात पर अमेरिकी नए टैरिफ का प्रभाव बताया गया है।

ADB रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

FY26 की पहली तिमाही में विकास:

- भारत की अर्थव्यवस्था ने FY26 की पहली तिमाही में **7.8% का विकास** दर्ज किया, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे तेज़ वृद्धि है।
- इस वृद्धि में घरेलू खपत और सरकारी खर्च मुख्य योगदानकर्ता रहे।
- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने चेतावनी दी है कि वर्ष के दूसरे छमाही में **अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव** से विकास धीमा हो सकता है।

घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र:

- मजबूत **घरेलू मांग और सेवा निर्यात** कमजोर वस्तु निर्यात के असर को आंशिक रूप से कम करेंगे।
- **कृषि क्षेत्र** को अनुकूल मानसून से लाभ की उम्मीद है।
- **सरकारी बुनियादी ढांचा खर्च** निर्माण गतिविधियों का समर्थन करेगा।
- **उद्योग क्षेत्र** को व्यापार प्रतिबंध और निवेश की मंदी का दबाव झेलना पड़ सकता है।

महंगाई और मौद्रिक नीति:

- FY26 में मुद्रास्फीति का अनुमान **3.1%** है, जो पहले के अनुमानों से कम है।
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **रेपो दर 5.5%** कर दी है, जो अगस्त 2022 के बाद सबसे कम है।
- ब्याज दरों में कमी से **क्रेडिट ग्रोथ** को प्रोत्साहन मिला है।

राजकोषीय और बाह्य स्थिति:

- राजकोषीय घाटा GDP का लगभग **4.5%** रहने का अनुमान है, जो बजट अनुमान से अधिक लेकिन FY25 के 4.7% से कम है।
- चालू खाता घाटा FY26 में GDP का **0.9%** और FY27 में **1.1%** तक बढ़ने का अनुमान है।

एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB):

स्थापना और मुख्यालय: एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) की स्थापना 19 दिसंबर 1966 को हुई थी। इसका मुख्यालय मनीला, फिलीपींस में स्थित है।

उद्देश्य और कार्य: ADB का उद्देश्य एशिया में सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह अपने सदस्यों और साझेदार देशों को ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्विटी निवेश प्रदान करता है। बैंक संयुक्त राष्ट्र का आधिकारिक पर्यवेक्षक भी है।

सदस्यता और मतदान प्रणाली:

- ADB के 69 सदस्य देश हैं, जिनमें से 50 एशिया और प्रशांत क्षेत्र से हैं और 19 अन्य देशों से।
- इसका मतदान पैटर्न विश्व बैंक के समान है, जहाँ वोट शेयर कैपिटल सब्सक्रिप्शन के अनुपात में वितरित होते हैं।
- 31 दिसंबर 2020 तक, जापान और अमेरिका ने सबसे बड़ा शेयर (प्रत्येक 15.571%) रखा है। चीन 6.429%, भारत 6.317%, और ऑस्ट्रेलिया 5.773% के साथ प्रमुख शेयरधारक हैं।

शासन ढांचा:

- गवर्नर्स बोर्ड: बैंक की सबसे उच्च नीति-निर्माण संस्था है, जिसमें प्रत्येक सदस्य देश का एक प्रतिनिधि शामिल होता है।
- डायरेक्टर और डिप्टी: गवर्नर्स बोर्ड स्वयं में से 12 सदस्यीय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और उनके उपाध्यक्षों का चुनाव करता है।
- अध्यक्ष: बोर्ड ऑफ गवर्नर्स बैंक के अध्यक्ष का चुनाव करता है, जो बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के अध्यक्ष होते हैं और ADB का प्रबंधन करते हैं।
- परंपरागत रूप से, जापान के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक होने के कारण अध्यक्ष हमेशा जापानी रहते हैं।

जलवायु परिवर्तन से अमेज़न वर्षावन के पेड़ों की वृद्धि में तेज़ी / Climate Change Spurs Growth in Amazon Rainforest Trees

संदर्भ:

एक नए अध्ययन के अनुसार, **अमेज़न वर्षावन में पेड़ों का औसत आकार** लगातार बढ़ रहा है, जिसका मुख्य कारण वायुमंडल में **कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का बढ़ता स्तर** बताया गया है। अध्ययन के अनुसार, हर दशक में पेड़ों का आकार तीन प्रतिशत से अधिक बढ़ रहा है।

अमेज़न जंगल पर अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

1. **व्यापक वृक्ष वृद्धि (Widespread Growth):**
   - RAINFOR अमेज़न फॉरेस्ट इन्वेंट्री नेटवर्क के लगभग 100 शोधकर्ताओं ने 188 पुराने जंगल के प्लॉट्स का अध्ययन किया।
   - पिछले 30 वर्षों में पेड़ों का औसत व्यास **लगभग 3.3% प्रति दशक बढ़ा**।
   - यह वृद्धि सभी आकार के पेड़ों में देखी गई है।
2. **कार्बन उर्वरक प्रभाव (Carbon Fertilization):**
   - वायुमंडलीय CO_2 का उच्च स्तर पेड़ों के लिए प्राकृतिक उर्वरक की तरह काम करता है।
   - यह **फोटोसिंथेसिस को बढ़ाता** और पेड़ों की वृद्धि तेज करता है।
   - परिणामस्वरूप, पेड़ ज्यादा कार्बन अपने तने, जड़ और शाखाओं में संग्रहित करते हैं, जिससे अमेज़न जंगल महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में मजबूत होता है।
3. **जंगल की संरचना में बदलाव (Shift in Forest Structure):**
   - बड़े पेड़ों की वृद्धि छोटे पेड़ों की संख्या में कमी के साथ हो रही है।
   - ऊँचे छत वाले पेड़ छोटे पेड़ों से संसाधनों (धूप और पानी) में प्रतिस्पर्धा करते हैं।
   - इससे जंगल की संरचना और जैव विविधता में मूलभूत बदलाव आ रहा है।
4. **अस्थायी लचीलापन (Resilience, for now):**
   - अध्ययन दर्शाता है कि अभी तक CO_2 का उर्वरक प्रभाव नकारात्मक जलवायु प्रभावों (जैसे सूखा) से अधिक रहा है।
   - यह अमेज़न जंगल की परिवर्तनशील जलवायु के सामने आश्चर्यजनक लचीलापन को दर्शाता है।

अमेज़न जंगल के जोखिम:

1. **वृक्ष वृद्धि के बावजूद कटाई का खतरा:**
   - CO_2 के सकारात्मक प्रभाव के बावजूद लगातार **वनों की कटाई और लकड़ी की खपत** इस लाभ को रद्द कर सकती है।
   - पुराने पेड़ सैकड़ों साल पुराने होते हैं और नए पौधे उनका पर्याय नहीं बन सकते। नए पौधों में उतनी **जैव विविधता और कार्बन संग्रहण क्षमता** नहीं होती।
2. **जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता:**
   - जंगल ने कुछ हद तक लचीलापन दिखाया है, लेकिन तेज़ी से बढ़ते **सूखा, जंगल की आग, और चरम मौसम की घटनाएं** CO_2 के लाभ को जल्दी समाप्त कर सकती हैं।
   - बड़े, कार्बन समृद्ध पेड़ों की मृत्यु से **विशाल मात्रा में कार्बन** वातावरण में वापस जारी हो सकता है।
3. **जैव विविधता में गिरावट:**
   - बड़े पेड़ों का प्रभुत्व छोटे पेड़ों पर लंबे समय तक जंगल की **संरचना और पारिस्थितिकी तंत्र** पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।
   - इससे उन कई प्रजातियों के अस्तित्व पर खतरा बढ़ सकता है जो इस जंगल पर निर्भर हैं।

अमेज़न वर्षावन (Amazon Rainforest) –

- **स्थान:** दक्षिण अमेरिका के 9 देशों में फैला; मुख्यत: ब्राज़ील (60%), पेरू (13%), कोलंबिया (10%) में।
- **सीमाएँ:** उत्तर - गुइयाना हाइलैंड, पश्चिम - एंडीज़ पर्वत, दक्षिण - ब्राज़ील का मध्य पठार, पूर्व - अटलांटिक महासागर।
- **क्षेत्रफल:** विशाल, उष्णकटिबंधीय वर्षावन।
- **जलवायु:** गर्म और आर्द्र, 26-30°C; वर्षा 2,000–10,920 मिमी।
- **जनजातियाँ:** Yanomamo, Kayapo, Akuntsu, Matses, Tupi आदि।
- **वन्यजीवन (Fauna):** अनाकोंडा, Jesus lizard, Howler Monkey, Golden Lion Tamarin, Jaguar, Sloth, Spider Monkey, Amazon River Dolphin, Toucan, Scarlet Macaw, Poison Dart Frog, Glass Frog।
- **वनस्पति (Flora):** Myrtle, Laurel, Palm, Acacia, Rosewood, Brazil Nut, Rubber Tree, Mahogany, Amazonian Cedar।

अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन / International Civil Aviation Organization

संदर्भ:

भारत को **अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (ICAO)** की पार्ट II काउंसिल में पुन: निर्वाचित किया गया है। ICAO, संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, और पार्ट II उन देशों से मिलकर बनती है जो अंतरराष्ट्रीय नागरिक हवाई नेविगेशन सुविधाओं के विकास और संचालन में सबसे बड़ा योगदान देते हैं।

अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (ICAO) क्या है?

परिचय:

अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (ICAO) संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जो वैश्विक नागरिक विमानन में सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देती है। यह अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा को सुरक्षित, संरक्षित और टिकाऊ बनाने के लिए एक ढांचा प्रदान करती है।

स्थापना और मुख्यालय:

- वर्ष: 1944, शिकागो कन्वेंशन के तहत
- मुख्यालय: मॉन्ट्रियल, कनाडा
- सदस्यता: 193 देश

लक्ष्य:

- अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन मानकों का विकास और समन्वय
- सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक विमानन के न्यायसंगत विकास को सुनिश्चित करना
- सभी देशों के लिए समान हवाई संपर्क और समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देना

मुख्य कार्य:

1. **मानक निर्धारण:** SARPs (Standards and Recommended Practices) का निर्माण
2. **सुरक्षा निरीक्षण:** Global Aviation Safety Plan (GASP) का कार्यान्वयन
3. **हवाई नेविगेशन दक्षता:** अवसंरचना और क्षमता में सुधार
4. **सुरक्षा एवं सुविधा:** विमानन और सीमा सुरक्षा को मजबूत करना
5. **आर्थिक विकास:** समन्वित वायु परिवहन ढांचे का समर्थन
6. **पर्यावरण संरक्षण:** टिकाऊ विमानन ईंधन और जलवायु के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा

भारत और ICAO: भारत ICAO का स्थापना सदस्य (1944) है और लगातार 81 वर्षों से काउंसिल में उपस्थित रहा है। देश न केवल नीति, नियमावली और विमानन मानकों में सक्रिय योगदान देता रहा है, बल्कि सुरक्षा, नवाचार और वैश्विक समान हवाई कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बार-बार दोहराता रहा है।

भारत का ICAO में योगदान –

1. **स्थापना सदस्य:**
   - भारत ICAO का स्थापना सदस्य है और 1944 के शिकागो कन्वेंशन से सक्रिय भागीदार रहा है।
   - ICAO मुख्यालय में भारत का स्थायी प्रतिनिधिमंडल मौजूद है।
2. **काउंसिल में पुनर्निर्वाचन:**
   - 2025-2028 के लिए भारत को **Part II of ICAO Council** में पुन: निर्वाचित किया गया।
   - Part II उन देशों के लिए है जो अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानन सुविधाओं में सबसे बड़ा योगदान देते हैं।
   - भारत की काउंसिल में **80+ वर्षों की निरंतर उपस्थिति** बनी हुई है।
3. **सुरक्षा निगरानी (Safety Oversight):**
   - भारत की विमानन सुरक्षा निगरानी प्रणाली को मजबूत किया गया है।
   - 2025 में ICAO द्वारा **Council President Certificate** से सम्मानित किया गया।
   - 2022 के ऑडिट में भारत का **85.65% स्कोर** रहा, वैश्विक शीर्ष 50 देशों में शामिल।
4. **नीति और विकास पहल:**
   - ICAO द्वारा विकसित क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी।
   - विकासशील देशों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में योगदान।
   - तेजी से बढ़ते भारतीय विमानन बाजार के मद्देनजर, ICAO के नीति और नियामक ढांचे में भारत की सक्रिय भागीदारी।

इंटरस्टेलर मैपिंग एंड एक्सेलेरेशन प्रोब / IMAP

संदर्भ:
नासा ने हाल ही में **इंटरस्टेलर मैपिंग एंड एक्सेलेरेशन प्रोब (IMAP)** लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य यह दिखाना है कि सौर कणों को कैसे ऊर्जा मिलती है और वे हमें किस तरह से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

Interstellar Mapping and Acceleration Probe (IMAP) – मुख्य तथ्य

1. **मुख्य उद्देश्य:**
   - हेलीओस्फियर (Heliosphere) की सीमा का मानचित्र तैयार करना।
   - उच्च-ऊर्जा कणों (Energetic Particles) का पता लगाना।
   - अंतरिक्ष मौसम (Space Weather) की पूर्वानुमान क्षमता में सुधार करना।
2. **हेलीओस्फियर क्या है:**
   - सूर्य की हवा (Solar Wind) द्वारा बना एक विशाल बुलबुला।
   - यह पूरे सौरमंडल (Solar System) को घेरता है और इसे अंतरिक्षीय विकिरण (Cosmic Rays) से कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है।
3. **स्थान और अवलोकन:**
   - IMAP को **Earth-Sun Lagrange Point 1 (L1)** पर स्थित किया गया है।
   - पृथ्वी से लगभग 1 मिलियन मील दूर, सूर्य की दिशा में।
   - वास्तविक समय (Near-real-time) डेटा भेजकर वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष मौसम की निगरानी में मदद करेगा।
4. **IMAP की प्रमुख भूमिकाएँ:**
   - छोटे और बड़े पैमाने पर मूलभूत भौतिकी (Fundamental Physics) का पता लगाना।
   - सूर्य से आने वाले कणों और विकिरण से होने वाले खतरे की भविष्यवाणी करना।
   - हमारे आसपास के आकाशीय पड़ोस का चित्रण करना।
   - ब्रह्मांड के कुछ मूलभूत पदार्थों (Cosmic Building Materials) को समझने में मदद करना।
   - हेलीओस्फियर के माध्यम से जीवन की रक्षा में उसकी भूमिका को समझना।

बथुकम्मा उत्सव / Bathukamma festival

संदर्भ:
सितंबर 2025 में **भातुकम्मा महोत्सव** के दौरान, तेलंगाना ने हैदराबाद के सरूरनगर स्टेडियम में **दो गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड** स्थापित किए। ये रिकॉर्ड **सबसे बड़े भातुकम्मा पुष्प सज्जा** और **समानांतर गायन एवं नृत्य प्रदर्शन में सबसे बड़ी सभा** के लिए दर्ज किए गए।

रिकॉर्ड-ब्रेकिंग बथुकम्मा उत्सव – मुख्य आकर्षण

1. **सबसे बड़ी बथुकम्मा संरचना:**
   - **ऊंचाई और वजन:** 63 फुट ऊँची बथुकम्मा, जिसमें 10.7 टन फूल इस्तेमाल हुए।
   - **चौड़ाई और निर्माण:** संरचना की चौड़ाई 36 फुट थी और इसे बनाने में 300 कामगारों ने 72 घंटे का समय लगाया।
   - **पर्यावरण के अनुकूल निपटान:** कार्यक्रम के बाद फूलों को अगरबत्ती में बदला गया और धातु का ढांचा पुन: उपयोग के लिए भेजा गया।
2. **सबसे बड़ी समन्वित लोक नृत्य:**
   - **पैमाना:** इस विशाल बथुकम्मा के चारों ओर 1,354 महिलाओं ने पारंपरिक लोक नृत्य पूर्ण समन्वय के साथ प्रस्तुत किया।
   - **प्रतीकात्मक महत्व:** नृत्य ने सामुदायिक एकता और परंपरा को प्रदर्शित किया, जिसमें विभिन्न सेल्फ़-हेल्प समूहों की महिलाएं शामिल थीं।
   - **विशेष अतिथि:** मिस वर्ल्ड 2025, ओपल सुछाता चुआंगसरी और उनकी टीम ने उत्सव में भाग लिया।

बथुकम्मा त्योहार – महत्व और वैश्विक पहचान

1. **त्योहार का महत्व:** बथुकम्मा एक **नौ दिवसीय रंग-बिरंगा फूलों का त्योहार** है, जो **देवी गौरी की नारी शक्ति** का उत्सव मनाता है।
2. **वैश्विक पहचान:**
   - इस रिकॉर्ड-ब्रेकिंग आयोजन ने **त्योहार की सांस्कृतिक अहमियत** को दुनिया के सामने उजागर किया।
   - राज्य सरकार ने इसे **भव्य स्तर पर आयोजित** किया।
3. **स्थान और आयोजन:** यह विशेष कार्यक्रम **सद्दुला बथुकम्मा** (त्योहार का अंतिम दिन) पर **सारोर्नगर स्टेडियम, हैदराबाद** में आयोजित किया गया।

GS FOUNDATION For
UPSC & STATE PSC
इतिहास
अर्थव्यवस्था
भूगोल
भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था
1500x4
₹6000/-
₹4500/-
रोज़ाना लाइव क्लासेस
साप्ताहिक टेस्ट
क्लास की पीडीएफ (हिंदी + अंग्रेज़ी में)
लाइव डाउट सेशन
रोज़ाना प्रैक्टिस प्रश्न
COURSE VALIDITY
1 YEAR

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
FOUNDATION COURSE
OF MUTUAL FUND
INVEST IN KNOWLEDGE GROW YOUR WEALTH
COMBO OFFERS
COURSE FEE
~~₹4000/-~~
OFFER PRICE
₹2800/-
Course Validity
1 YEAR
BBK
Baaten Bazaar ki
एक निवेश समझदारी से..

Baaten Bazar Ki
FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुवात

FOUNDATION COURSE OF
MUTUAL FUND
Invest in Knowledge
Grow Your Wealth
Course fee
₹1999/-
COURSE VALIDITY
1 YEAR
एक निवेश समझदारी से..

PORTFOLIO BUILDING AND MANAGEMENT COURSE

\+ **(FUNDAMENTAL OF STOCK MARKET)**

FREE

EMI AVAILABLE

BBK
Baaten Bazar ki

- » Long-Term Investing Foundations
- » Principles of Value Investing and Stock
- » Portfolio Construction Mastery
- » Sectoral Investing
- » Stock Picking Framework
- » Active Portfolio Management Techniques
- » Mega Cap vs Mid Cap Strategy

SPECIAL BONUS

COURSE VALIDITY
1 YEAR